an>

Title: Regarding agriculture related problems faced by farmers of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के कृषि मंत्रालय का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। दिनकर जी ने कहा है कि अतः

रे तू आरती लेकर किधर जा रहा है,

तेरा खुदा, तेरा ईश्वर मस्जिदों में नहीं है,

मन्दिरों में नहीं है, वह खेतों और खलिहानों में है।"

बिहार कृषि संस्कृति और कृषि प्रदेश के रूप में वर्णित रहा है। अभी रबी बुआई का समय है। बिहार के किसान खाद के लिए और बीज के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं। इस अवस्था में बिहार की जो स्थिति बन गयी है, उस स्थिति में आज किसान, इस देश के चौरासी प्रतिशत लोग कृषि पर अवलंबित हैं। उसके विकल्प में कोई उद्योग-धंधे नहीं पनपे हैं। कृषि ही एकमात्र जीवन का आधार बनी हुई है।

इसलिए मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्रालय से यह आग्रह करना चाहता हूँ कि जो बिहार के किसानों की स्थिति है, बुआई का जो समय है, डी.ए.पी., यूरिया जो चोर बाजार में धड़ल्ले से बिक रहे हैं, सरकार उसे रोके। केन्द्र सरकार बिहार सरकार पर दबाव डाले। बड़े पैमाने पर वह ट्रेन के माध्यम से यूरिया उपलब्ध कराके किसानों को राहत पहुँचाने का काम करे। मैं इस ओर आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।